

LOK SABHA

Friday, December 22, 1967/Pausa 1, 1889  
(Saka).

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

LOSS OF IRON ORE AT MADRAS PORT

\*842. SHRI PREM CHAND VERMA :

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that as a result of physical verification made at the Madras Port, 1,35,657 M. tonnes of iron ore worth Rs. 75 lakhs was found short;

(b) if so, whether any inquiry was instituted and the expenditure incurred on the investigation;

(c) whether any responsibility for the loss has been fixed; and

(d) the measures taken to recover the loss and how much recovery has been made upto date ?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH) : (a) Actual shortage determined after physical verification of stocks was about 1.16 lakhs tonnes, valued at a little over Rs. 47 lakhs as on 28-6-1964.

(b) Expenditure amounting to approximately Rs. 13,000/- on usual travelling allowance etc. paid to the inspecting/visiting officers and the fee paid to the assayers for stock verification was incurred.

(c) and (d). A comprehensive enquiry made by M.M.T.C.'s Director indicated that these shortages had occurred on account of short loading by the suppliers. The suppliers also admitted that they were to some extent morally responsible for the shortages. The suppliers had agreed to make good the value of shortages through a certain deduction from bills payable to them for future supplies against contracts they had entered into with the Corporation. A sum of Rs. 9,44,682.49 has so far been recovered upto the end of October, 1967 : further recoveries are continuing.

Concerned officers of the M.M.T.C. have also been charge-sheeted and on the advice of the Central Vigilance Commission, one of the Commissioners for Departmental

Enquiries under the Commission was appointed as the Enquiry Officer. The enquiry is in progress.

श्री प्रेम चन्द वर्मा : मंत्री महोदय ने कहा है कि जो शार्टेजिज हैं उनके बारे में सप्लायर्स ने मान लिया है कि वे पूरी करेंगे, घाटे को वे पूरा करेंगे। मेरी इत्तिला के मुताबिक 73 सप्लायर थे जिन्होंने यह माल सप्लाइ किया था। इनकायारी की गई तो केवल 39 सप्लायर ही मिले हैं, यह मेरी इत्तिला है। 34 सप्लायर्स का पता ही नहीं है। बाकी सप्लायर कहां हैं इसका पता ही नहीं है। यह रिपोर्ट में दर्ज है। फिर मुझे यह भी पता चला है कि 25 पैसे फी टन के हिसाब से उन्होंने घाटा पूरा करने की बात कही है। लेकिन उसके साथ ही साथ उन्होंने दो रुपये फी टन के हिसाब से कीमत बढ़ा दी है। 25 पैसे फी टन के हिसाब से वापसी का मुतालिबा किया गया है और दो रुपये टन के हिमात्र से कीमत बढ़ा दी गई है। 1964 में जब कांटेक्ट किया गया तो कीमत 8 रुपये 67 पैसे थी और 1965 में किया गया तो कीमत 10 रुपये 67 पैसे हो गई, दस रुपये से ज्यादा हो गई। नौ लाख रुपया आप पन्चास पैसे फी टन के हिसाब से वसूल करेंगे और दो रुपया टन के हिसाब से उन्होंने भाव को बढ़ा दिया है। 8-75 से कीमत को बढ़ाकर 10 रुपये और 11-75 से बढ़ा कर 13-25 और 7 रुपये से बढ़ा कर 8-50 हो गई है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या यह सब ठीक है ?

श्री बिनेश सिंह : कीमतें तो कुछ बढ़ी हैं। लेकिन जो माननीय सदस्य का कहना है कि कीमतें इसलिए बढ़ाई गई हैं कि घाटे को पूरा किया जा सके उसके बारे में मैंने अर्ज किया है कि सी० बी० आई० ने पूरी जांच की है, जिनकी जिम्मेदारी उन्होंने इसमें पता लगाई है, उनके खिलाफ हम एक्शन ले रहे हैं। और जो बात उन्होंने कही है मैं उसकी फिर से जांच करवा दूंगा।

**श्री प्रेम चन्ध बर्मा :** इसी मद्रास पोर्ट पर इसी केस के साथ एक पिग आयरन का केस भी हुआ है। 1476 मैट्रिक टन पिग आयरन जिसकी कीमत विदेशी मुद्रा में 4 लाख 74 हजार रुपये या पांच लाख रुपये के करीब होती है वह कम पाया गया था। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या इसके बारे में आपने इनक्वायरी की है और क्या इस शार्टेज को कम्पनी की तरफ से पूरा करवाया गया है। यह जो पांच लाख रुपये के विदेशी एक्सचेंज, फारेन एक्सचेंज का घोटाला है उसके मुताल्लिक मेरी इतिला यह है कि पांच लाख रुपया उसी देश में जहाँ से पिग आयरन आया, यहाँ के अफसरों ने वहाँ पर बहू रकम वसूल की है। इसके बारे में क्या पोजीशन है ?

**श्री विनेश सिंह :** माननीय सदस्य ने मेरे साथी से इसका जिक्र किया है। मुझे इसकी जांच करवानी पड़ेगी।

#### FREE TRADE ZONE AT HALDIA

+

\*843. SHRI S. C. SAMANTA :  
SHRI MAHARAJ SINGH  
BHARATI :

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether Government propose to set up a free trade zone at Haldia without awaiting the results of free trade zone recently established at Kandla, keeping in view the fact that unlike Kandla, Haldia has one of the most industrialised hinterland to provide skill and experience as well as raw materials for the manufacture of engineering goods for export; and

(b) if so, at what stage the matter rests at present ?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH) : (a) No, Sr.

(b) The question does not arise.

**SHRI S. C. SAMANTA :** May I know what factors were taken into consideration when Kandla was declared as a free trade zone and whether at that time there was opposition saying that first Kandla should be connected by railways and, if so, what been done in the matter ?

**SHRI DINESH SINGH :** This matter has been gone into fully in this House on several occasions. Various considerations were before the government when they had to decide this matter. It would be a long story for me to give it in the question hour just now. If you so wish, I shall send to the hon. Member a small note on this.

**SHRI S. C. SAMANTA :** Is it not a fact that the chamber of commerce and other business interests have demanded a free trade zone at Haldia because of the heavy exports from Haldia ?

**SHRI DINESH SINGH :** Yes, Sir. We had representations from certain bodies in this connection and they were all considered.

**SHRI T. M. SHETH :** May I know whether any legislation for a free trade zone at Kandla is proposed to be undertaken ?

**SHRI DINESH SINGH :** Not that I am aware of.

**श्री महाराज सिंह भारती :** विदेशी मुद्रा का संकट हमारे सामने है। दुनिया का जो इस तरह के खुले बंदरगाह बनाने का तजुर्बा है जिसके द्वारा टैक्स नहीं लगते हैं और सस्ती कीमत पर माल लोगों को, विदेशी लोगों को दिया जाता है और विदेशी लोग बहुत खरीद लेते हैं, वह भी आपके सामने है। मैं जानना चाहता हूँ कि इतने दिनों तक विचार करने के बाद भी क्या उसकी कोई मुकम्मिल रूपरेखा सरकार आज तक नहीं बना पाई है ?

**श्री विनेश सिंह :** जी हाँ, इनकी पूरी रूपरेखा बन गई है और यहाँ काम भी शुरू हो गया है।

#### PRODUCTION OF MILK FOOD AND PROTEIN ISOLATES

\*844. SHRI KANWAR LAL GUPTA : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Government have decided to encourage the production of milk food and protein isolates to enrich the diet;

(b) whether it is also a fact that some foreign concerns are interested in manufacturing protein isolates from oil cakes; and